प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

21 फरवरी, 2015

मेले में पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी

शनिवार, छुट्टी का दिन और दिल्ली वालों में पढ़ने का उत्साह, लगन और उत्सुकता उन्हें पुस्तकों के वृहद संसार में ले आई। आज पुस्तक मेले का दृश्य देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पुस्तक प्रेमी बचे हुए इन दो दिनों का भरपूर लाभ उठा लेना चाहते हों। किसी भी हॉल में, किसी भी स्टॉल पर देखिए, पुस्तक प्रेमी ही नज़र आ रहे थे। बच्चों और उनके अभिभावकों को पूरे उत्साह के साथ अपनी पसंद की पुस्तकें देखते, पलटते और खरीदते देखकर अपार हर्ष की अनुभूति हो रही थी। आज पुस्तक प्रेमियों ने मेले में पुस्तकों के दामों में मिल रही भारी छूट का लाभ उठाया। आज एक लाख से अधिक लोग पुस्तक मेला देखने आए।

पुस्तक मेले में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति केवल पुस्तकें खरीदने में ही नहीं बल्कि मेले में चल रही विभिन्न गतिविधियों में भी शामिल होता नज़र आया।

थीम मंडप–सूर्योदय

मेले में प्रतिदिन की भाँति आज थीम मंडप में पूर्वोत्तर की संस्कृति की एक और अद्भुत झलक देखने का अवसर प्राप्त हुआ। आज यहाँ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'मणिपुरी मार्शल आर्ट्स' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रस्तुति मणिपुर के पनथोइबी थांग–ता और जगोई सिंग्दाम शांग्लेन समूह द्वारा पेश की गई। यह समूह देश–विदेश में होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक समारोह में अपनी प्रस्तुति करता है। गोवा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2013 तथा मॉरिशियस में 'स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2012 में भी यह समूह अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। थीम मंडप में इनकी कला को देखकर लोग अत्यंत उत्साहित दिखे। इस समूह ने दर्शकों को 'मस्तिष्क की एकाग्रता का' काबिले–तारीफ उदाहरण प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति के बाद थीम मंडप तालियों से गूँजता नज़र आया।

थीम मंडप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'मिथक, संघर्ष और साहित्य : पूर्वोत्तर भारत का सिनेमाई स्वर' विषय पर चर्चा रखी गई जिसमें पूर्वोत्तर सिनेमा जगत से आईं प्रसिद्ध हस्तियों ने वहाँ की 'फिल्म संस्कृति' तथा 'सिनेमाई इतिहास' पर प्रकाश डाला। यहाँ मौजूद पैनलकर्ताओं में पत्रकार एवं फिल्म आलोचक, उत्पल बोरपुजारी एवं शिलांग से आए फिल्म निर्देशक, वानफरांग दिंग्दोह शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन पदमभूषण पुरस्कार से पुरस्कृत असमिया निर्देशक, जाह्नू बरुआ द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में निर्देशक जाह्नू बरुआ ने कहा, ''पूर्वोत्तर भारत प्रतिभा का खज़ाना है व कला एवं संस्कृति से भरपूर है, परन्तु देश के 5 प्रतिशत लोग ही पूर्वोत्तर की संस्कृति से परिचित हैं।''

बाल मंडप

मेले में बने बाल मंडप में जाकर बच्चे तो बच्चे जवान और बूढ़े सभी उम्र के पुस्तक प्रेमी बच्चों के संग मिलकर बच्चे बनते नज़र आ रहे हैं। इस मंडप पर आयोजित किए जा रहे कथावाचन सत्र सभी को अपने बचपन के दिनों में ले जा रहे हैं। आज यहाँ जीवन बुक्स प्रकाशन द्वारा 'पंचतंत्र सीरीज़' पुस्तक का लोकार्पण अँग्रेज़ी तथा हिंदी दोनों भाषाओं में किया गया। इस अवसर पर एनबीटी के अध्यक्ष, श्री ए. सेतुमाधवन तथा नेशनल बुक काउंसिल, सिंगापुर के कार्यकारी निदेशक, रामचंद्रन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में 'बी हाइव' विद्यालय से आए विशिष्ट योग्यता वाले बच्चों द्वारा दो कहानियों का मंचन भी किया गया। इन बच्चों को विभिन्न वन्य जीवों की पोशाकों में मंचन करता देखकर सभी लोग अत्यंत खुश हुए। इसके पश्चात इसी मंडप पर कंसोर्टियम ऑक्टेट के शेखर सरकार द्वारा विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों को 'बुक बिंगो' खेल खिलाया गया जिसमें बच्चों को पर्चियाँ बाँटी गईं तथा बच्चों से लेखकों तथा पुस्तकों से संबंधित प्रश्न पूछकर उन्हें खेल–खेल में हिंदी साहित्य से संबंधित अनेक रोचक जानकारियाँ दी गईं।

मेले में साहित्यिक हलचल

आज हॉल नं. 8 के साहित्य मंच पर डायमंड बुक्स द्वारा दो पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। पुस्तकें थी : 'कह धाकड़ कविराय' (भारतीय रेल विभाग में अभियंता, महेश गर्ग बेधड़क द्वारा लिखित) तथा 'ठहाका एक्सप्रेस' (हेमंत कुमार द्वारा लिखित)। कार्यक्रम का संचालन डायमंड बुक्स के अध्यक्ष, श्री नरेंद्र कुमार द्वारा किया गया। दोनों पुस्तकों का लोकार्पण यहाँ उपस्थित मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध रचनाकार, अशोक चक्रधर द्वारा किया गया। यहाँ हास्य व्यंग्य पर आधारित पुस्तकों का लोकार्पण करने के अवसर पर श्री अशोक चक्रधर ने कहा, ''जीवन नकारात्मक एवं सकारात्मक रूपों की घुट्टी है। नकारात्मक चीज़ों को सकारात्मक बनाने के लिए ही कवि हास्य कविताएँ लिखते हैं।''

आज लेखक मंच पर 'विवेकानंद का नारी दर्शन' पुस्तक का लोकार्पण हुआ जहाँ विभिन्न लेखक उपस्थित थे जिनमें गिरिराज शरण अग्रवाल, सुभाष चंदर, हेमंत तिवारी तथा डॉ. बलराम आदि शामिल थे। इसी मंच पर आज ''हिंदी में काफ़्का की उपस्थिति'' विषय पर भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया तथा इसी अवसर पर तीन पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया यथा मुक्तिबोध संचयन, गिरफ्तारी तथा केदारनाथ सिंह संचयन । इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि थे– लेखिका, रमा पांडे; कवि आलोचक, अशोक वाजपेयी; गद्यकार, केदारनाथ सिंह तथा आलोचक, वेभव सिंह।

इवेंट्स कॉर्नर

आज मेले के विदेशी मंडप में बने इवेंट्स कॉर्नर पर एशियाई एवं उप महाद्वीपीय बाल साहित्य पर विमर्श आयोजित किया गया। यह सत्र नेशनल बुक डेवलपमेंट काउंसिल सिंगापुर के कार्यकारी निदेशक, रामचंद्रन द्वारा संचालित किया गया। विमर्शकर्ताओं में चित्रकार एवं लेखक, अतनु राय तथा डकबिल बुक्स की सयोनि बसु उपस्थित थीं। इस अवसर पर अतनु राय ने कहा, ''बच्चों को पुस्तक पठन के लिए विवश न करें वरन् उन्हें पुस्तकों को जानने और समझने के अवसर प्रदान करें।'' इस कॉर्नर पर 'डॉन क्विक जोट' स्पेनिश पुस्तक के हिंदी अनुवाद का लोकार्पण भी हुआ। यह कार्यक्रम इंस्टीट्यूटो सरवांटेस, नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ.विभा मौर्य द्वारा इस स्पेनिश पुस्तक का हिंदी अनुवाद किया गया है। पुस्तक का लोकार्पण दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. हरिमोहन द्वारा किया गया।